www.railsamacharbureau.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"ऊर्जा दक्षता और हरित पहल के साथ, भारतीय रेल पृथ्वी संरक्षण में सक्रिय भागीदार है।"

"सतत विकास के पथ पर अग्रसर राष्ट्र के साथ, भारतीय रेल पृथ्वी के भविष्य को सुरक्षित बना रही है।"

वर्ष-36 अंक:08 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16-30 अप्रैल 2026 पृष्ठ 08, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

समूचे देश को जोड़कर सबसे गरीब और दूरदराज के देशवासियों की सेवा कर रही है भारतीय रेल

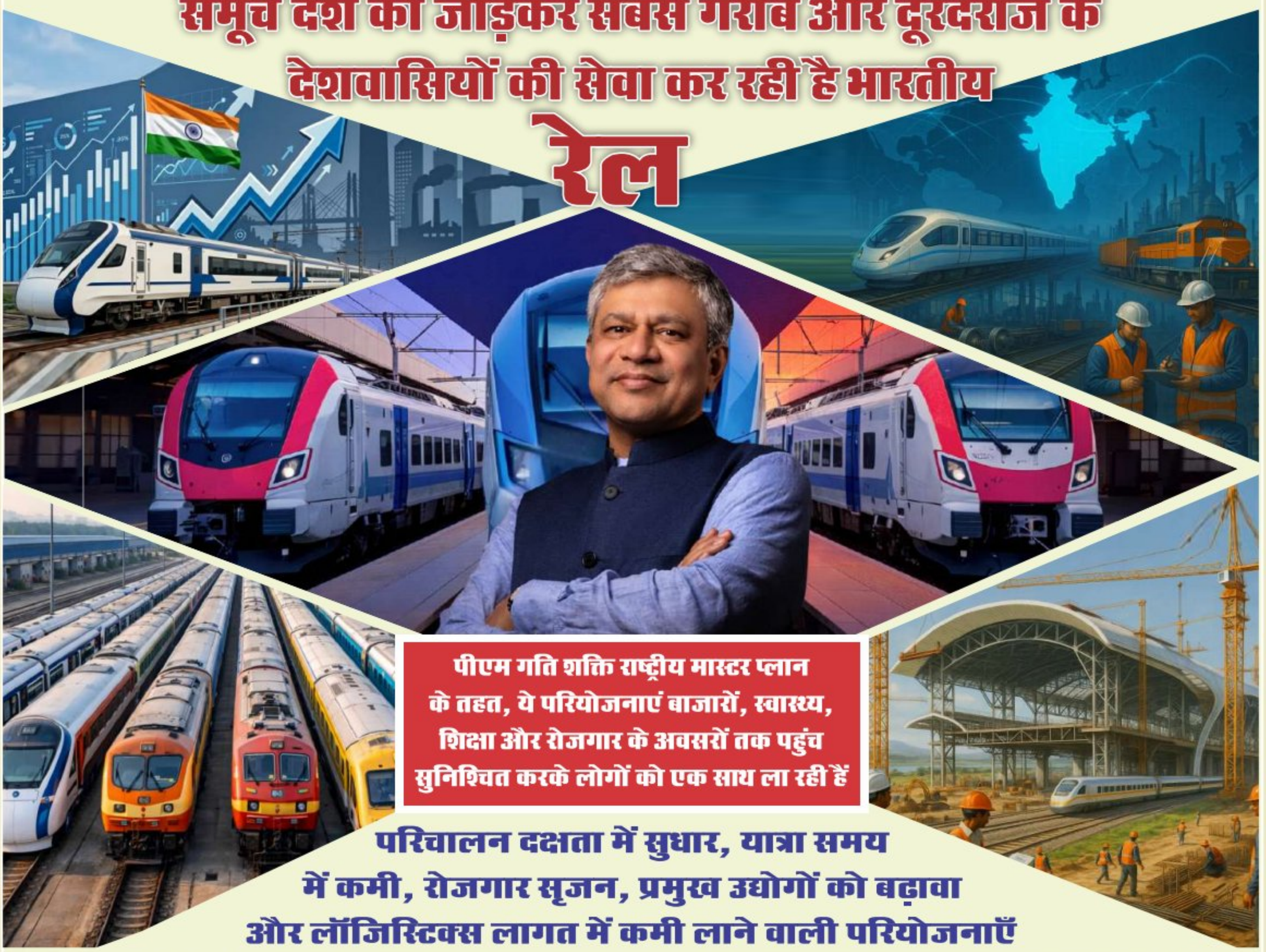

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत, ये परियोजनाएं बाजारों, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करके लोगों को एक साथ ला रही हैं

परिचालन दक्षता में सुधार, यात्रा समय में कमी, रोजगार सृजन, प्रमुख उद्योगों को बढ़ावा और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने वाली परियोजनाएँ

सूत्र/पीआईबी - देश के अंतिम छोर को जोड़कर और सबसे गरीब तथा वंचित क्षेत्रों की सेवा करते हुए, भारतीय रेल, पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एक परिवर्तनकारी विस्तार कर रही है। समावेशी विकास और राष्ट्रीय एकीकरण पर विशेष ध्यान देते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 में नई लाइनों, दोहरीकरण, मल्टी-ट्रैकिंग और अन्य कार्यों से जुड़ी 100 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह अभूतपूर्व प्रयास बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से विविध राष्ट्र को एकजुट करने के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही एक उच्च-क्षमता वाले और भविष्य के लिए तैयार नेटवर्क की नींव भी रख रहा है।

इन परियोजनाओं में कुल 1.53 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जो 6,000 किलोमीटर से अधिक के रेलवे नेटवर्क को कवर करता है। यह रेलवे विस्तार में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में, जहाँ 72,869 करोड़ रुपये की लागत वाली 64 परियोजनाओं (2,800 किलोमीटर से अधिक) को मंजूरी दी गई थी, इस बार परियोजना की स्वीकृतियों में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, रूट कवरेज में 114 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है और वित्तीय प्रतिबद्धता में 110 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

मंजूर की गई 100 परियोजनाओं में नई लाइनें, दोहरीकरण और मल्टी-ट्रैकिंग के काम, साथ ही बाईपास लाइनें, फ्लाईओवर और कॉर्ड लाइनें शामिल हैं। इनका रणनीतिक उद्देश्य भीड़भाड़ वाले मार्गों को खाली करना, समय की पाबंदी में सुधार करना और यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना है, साथ ही उन क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी का विस्तार करना है जहाँ अभी तक पर्याप्त सुविधाएँ नहीं पहुँची हैं। इन पहलों से पूरे नेटवर्क में परिचालन दक्षता में काफी सुधार होने और यात्रा के समय में कमी आने की उम्मीद है।

ये परियोजनाएँ लगभग सभी प्रमुख राज्यों में फैली हुई हैं, जिससे रेलवे नेटवर्क का संतुलित और समावेशी विस्तार सुनिश्चित होता है। महाराष्ट्र (17 परियोजनाएँ), बिहार (11), झारखंड (10) और मध्य प्रदेश (9) प्रमुख फोकस राज्यों के रूप में उभरे हैं, क्योंकि माल ढुलाई गलियारों, औद्योगिक कनेक्टिविटी और यात्रियों की माँग में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों में निवेश का पैमाना यात्री और माल ढुलाई, दोनों ही सेवाओं को काफी हद तक बेहतर बनाने वाला है।

महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में इन परियोजनाओं से माल ढुलाई गलियारों को मजबूती मिलेगी, औद्योगिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा और यात्रियों की आवाजाही में सुधार होगा। ये राज्य भारत के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की रीढ़ हैं और यहाँ बेहतर कनेक्टिविटी होने से पूरी अर्थव्यवस्था में व्यापक लाभ होगा।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप, ये परियोजनाएं केवल बुनियादी ढांचे के निर्माण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन को सक्षम बनाती हैं। जनजातीय और दूरदराज के क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार पर मुख्य ध्यान दिया गया है। छत्तीसगढ़ में रावघाट-जगदलपुर लाइन जैसी ऐतिहासिक पहल और झारखंड एवं ओडिशा में कई अन्य गलियारे, बाजारों, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करेंगे, जिससे वंचित आबादी को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में लाया जा सकेगा।

आर्थिक नजरिए से, यह विस्तार बड़े पैमाने पर और परिवर्तनकारी निवेश की दिशा में एक निर्णायक बदलाव को दर्शाता है। 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 35 से ज्यादा परियोजनाएं क रिडोर-स्तर के अपग्रेड की आधारशिला हैं। प्रमुख परियोजनाओं में लगभग 10,150 करोड़ रुपये की लागत से कसारा-मनमाड तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी), 8,740 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा 5वीं और 6वीं लाइन (278 किमी), 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 किमी) और 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सिकंदराबाद (सनतनगर)-वाडी तीसरी और चौथी लाइन (173 किमी) शामिल हैं। एकसाथ मिलकर, केवल ये परियोजनाएं 28,000 करोड़ रुपये की हैं, जो उच्च-घनत्व वाले ट्रंक रूटों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान केंद्रित करती हैं।

ये परियोजनाएं रणनीतिक रूप से 'मिशन 3000 मीट्रिक टन' पहल के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य माल ढुलाई क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि करना है। पोर्टफोलियो में ऊर्जा कॉरिडोर परियोजनाओं का दबदबा है, जो कोयले और खनिजों की तेज आवाजाही की सुविधा प्रदान करती हैं और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करती हैं। हाई डेंसिटी नेटवर्क परियोजनाएं महत्वपूर्ण मार्गों पर भीड़भाड़ को कम करती हैं, जबकि 'रेल सागर कॉरिडोर' से पोर्ट कनेक्टिविटी और तटीय व्यापार में सुधार होता है। साथ मिलकर, ये पहलकदमियां समग्र नेटवर्क दक्षता और लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन को बेहतर बनाएंगी।

इतने बड़े निवेश से बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होने, स्टील और सीमेंट जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बढ़ने और पूरे देश में लॉजिस्टिक्स लागत कम होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे ये परियोजनाएं आगे बढ़ेंगी, रेलवे की क्षमता बढ़ेगी, सेवा वितरण में सुधार होगा और भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक का काम करेंगी। यह कोई मामूली प्रगति नहीं है, यह परियोजनाएं भारत की अगली आर्थिक छलांग का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

जनजातीय क्षेत्रों में नई लाइनें बिछाने, समयपालन में सुधार के लिए भीड़भाड़ वाले मार्गों को सुव्यवस्थित करने और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान।

Scanned with OKEN Scanner

स्मार्ट रेलवे की ओर कदम, एआई से यात्रियों को मिल रही नई सुविधा और भरोसा

1,874 स्टेशनों पर आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस आधारित हाई-टेक वीडियो निगरानी विश्लेषण समाधानों के माध्यम से घुसपैठ और बेवजह घूमने का सफलतापूर्वक पता लगाया जा रहा है

बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए 1,396 स्टेशनों पर महत्वपूर्ण रेलवे संचालन संचार को स्टेशन के भीतर और अन्य स्टेशनों के साथ बेहतर बनाया गया है

सूत्र/पीआईबी- भारतीय रेलवे ने वर्ष 2025-26 के दौरान अपनी दूरसंचार और डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इसमें सुरक्षा बढ़ाने, परिचालन दक्षता में सुधार करने और यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसने उन्नत प्रौद्योगिकियों, मजबूत संचार प्रणालियों और नवीन यात्री-केंद्रित समाधानों को अपनाकर आधुनिकीकरण को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एकीकृत दूरसंचार अधारभूत अवसंरचना का संवर्धन

वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि इंटरनेट प्रोटोकॉल मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपी एमपीएलएस) प्रौद्योगिकी के माध्यम से एकीकृत दूरसंचार आधारभूत अवसंरचना का संवर्धन रही है। मिशन-क्रिटिकल रेलवे अनुप्रयोगों की वर्तमान और भविष्य की बैंडविड्थ आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस उच्च क्षमता वाले नेटवर्क का विकास किया जा रहा है। यह प्रणाली वीडियो निगरानी की केंद्रीकृत पहुंच को सक्षम बनाती है और मोबाइल रेलगाड़ी रेडियो संचार (एमटीआरसी), यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस), अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस), माल संचालन सूचना प्रणाली (एफओआईएस), पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए), वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य परिचालन अनुप्रयोगों जैसी प्रमुख रेलवे प्रणालियों का समर्थन करेगी। अब तक, आईपी एमपीएलएस को 1,396 रेलवे स्टेशनों पर सफलतापूर्वक चालू किया जा चुका है, जो डिजिटल रूप से एकीकृत रेलवे इकोसिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यात्री सुरक्षा के लिए एआई-सक्षम वीडियो निगरानी

यात्री सुरक्षा के क्षेत्र में, भारतीय रेलवे ने अपने वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस) का विस्तार 1,874 रेलवे स्टेशनों तक किया है। यह प्रणाली घुसपैठ और बेवजह घूमने जैसी घटनाओं का स्वचालित रूप से पता लगाने के लिए उन्नत एआई-आधारित वीडियो विश्लेषण और वास्तविक समय में पहचान और निगरानी के लिए चेहरे की पहचान सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। इस तकनीकी प्रगति के महत्व को रेखांकित करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने में आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया है। इससे पहले श्री वैष्णव ने कहा था,''कैमरे सिस्टम की आंखें होंगे और एआई इसका मस्तिष्क होगा।''

वास्तविक समय की घोषणाओं के साथ यात्री सूचना प्रणालियों का उन्नयन

एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (आईपीआएएस) के विस्तार के साथ यात्री सूचना प्रणालियों में भी महत्वपूर्ण उन्नयन हुआ है। इलेक्ट्रॉनिक रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड, कोच मार्गदर्शन प्रणाली और सार्वजनिक संबोधन प्रणाली से सुसज्जित आईपीआएएस, रेलगाड़ी से संबंधित जानकारी का समय पर प्रसार सुनिश्चित करती है। आईपीआएएस का राष्ट्रीय लगाड़ी पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) के साथ एकीकरण स्टेशनों पर स्वचालित, वास्तविक समय की घोषणाओं को सक्षम बनाता है। अब तक, भारतीय रेलवे के 1,405 स्टेशनों पर यह एकीकरण पूरा हो चुका है।

निर्बाध संपर्क के लिए सुरंग संचार प्रणाली

संचार क्षमताओं को और बेहतर बनाने के लिए, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना सहित विभिन्न रेलवे क्षेत्रों में सुरंग संचार प्रणालियों की व्यवस्था की गई है। यह प्रणाली सुरंगों के अंदर मौजूद कर्मियों और मुख्यालय तथा संचालन नियंत्रण केंद्रों के बीच निर्बाध रेडियो संचार सुनिश्चित करती है, जिससे चुनौतीपूर्ण भूभागों में सुरक्षा और समन्वय में सुधार होता है।

यात्री-केंद्रित सुरक्षा, संचार और सूचना समाधानों में आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस और अन्य स्वचालन का उपयोग करके रेल यात्रियों की यात्रा बेहतर बनाई जा रही है

आधुनिक, सुरक्षित और प्रौद्योगिकी-आधारित रेलवे प्रणाली के लिए प्रतिबद्धता

वर्ष 2025-26 के दौरान शुरू की गई ये पहलें भारतीय रेलवे की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाकर एक सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक कुशल रेलवे नेटवर्क के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। दूरसंचार अवसंरचना का निरंतर विस्तार, एआई-आधारित प्रणालियों का उपयोग और यात्री सूचना सेवाओं का संवर्धन सामूहिक रूप से एक आधुनिक रेल प्रणाली के निर्माण में योगदान दे रहे हैं जो यात्रियों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील है और डिजिटल इंडिया की परिकल्पना के अनुरूप है।

भारतीय रेल ने विभिन्न रेलवे जोन में सुरक्षा प्रणाली कवच लगाने और सिग्नलिंग आधुनिकीकरण के लिए 1,364.45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए

उत्तर मध्य रेलवे में कवच कार्यान्वयन समर्थन के लिए 2,196 रूट किलोमीटर मार्ग में 176.76 करोड़ रुपये की लागत से 2X48 फाइबर ऑप्टिकल फाइबर संचार नेटवर्क बिछाया जाएगा

उत्तर रेलवे में उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली के लिए 3,200 से अधिक किलोमीटर मार्ग में 400.86 करोड़ रुपये की लागत से ऑप्टिकल फाइबर संचार व्यवस्था समुन्नत बनाई जाएगी

दक्षिण मध्य रेलवे के अधिक यातायात वाले मार्गों पर परिचालन सुरक्षा मजबूत करने के लिए 578.02 करोड़ रुपये की लागत से 49 स्टेशनों पर मैनुअल व्यवस्था की जगह इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की जाएगी

दक्षिण रेलवे के 232 लोकोमोटिव में कवच के चौथे संस्करण स्थापित करने के लिए 208.81 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, ताकि रेलगाडियों में टकराव रोकने की व्यवस्था सुदृढ की जा सके

सूत्र/पीआईबी- भारतीय रेल ने अपने विस्त त नेटवर्क में सुरक्षा, सिग्नलिंग और संचार ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 1,364.45 करोड़ रुपये की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के तहत रेल इंजनों में 'कवच' सुरक्षा प्रणाली का विस्तार किया जाएगा, जिससे ट्रेन संचालन और अधिक सुरक्षित हो सकेगा। साथ ही, देशभर में ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर संचार व्यवस्था को तेज और विश्वसनीय बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, विभिन्न रेलवे जोनों में पारंपरिक पैनल इंटरल किंग प्रणाली को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरल किंग से प्रतिस्थापित किया जाएगा, जिससे सिग्नलिंग प्रणाली अधिक सटीक और कुशल बनेगी। इन पहलों के माध्यम से भारतीय रेल न केवल यात्रियों की सुरक्षा को सुदृढ़ कर रही है, बल्कि आधुनिक तकनीक के जरिए अपने संचालन को भी अधिक प्रभावी बना रही है।

दक्षिण रेलवे के 232 इंजनों में कवच उपकरण लगाए जाएंगे

भारतीय रेल ने दक्षिण रेलवे के 232 लोकोमोटिव इंजन में कवच उपकरण लगाने के लिए 208.81 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह प्रस्ताव ''भारतीय रेल के शेष मार्गों पर लॉन्ग-टर्म इवोल्यूशन संचार व्यवस्था के साथ कवच का प्रावधान अंब्रेला कार्य का हिस्सा है, जो 2024-25 की कार्य योजना (''रेलवे के काय, मशीनरी और रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम'' पिंक बुक) में शामिल है और जिसकी कुल लागत PH-33 (वर्क्स प्रोग्राम 2024-25'' के तहत प्रमुख वित्तीय आवंटन मद) के तहत 27,693 करोड़ रुपये है।
कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिण रेलवे के लिए 2,950 करोड़ रुपये का उप-आवंटन किया गया है। वर्तमान कार्य इसी उप-आवंटन के तहत प्रस्तावित है और इसमें इंजन में कवच का चौथा संस्करण लगाना शामिल है।

उत्तर रेलवे में 2X48 आप्टिकल फाइबर संचार नेटवर्क के साथ संचार व्यवस्था सुदृढ बनाई जाएगी

भारतीय रेलव ने उत्तर रेलवे में संचार आधारभूत संरचना सुदृढ बनाने के लिए कुल 400.86 करोड़ रुपये की लागत से तीन कार्यों की स्वीकृति दी है। ये कार्य ''भारतीय रेल में संचार आधारभूत संरचना सुदृढ बनाने, मरम्मत कार्य और कलपुर्जे बदलने (अम्ब्रेला वर्क 2024-25)'' नामक व्यापक परियोजना का हिस्सा हैं, जिसे PH-33 के तहत 4,871 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया है। उत्तर रेलवे के लिए 871 करोड़ रुपये का उप-अम्ब्रेला प्रावधान किया गया है। इसके तहत तीन कार्यों को मंजूरी दी गई है। इनमें अंबाला मंडल में 926.05 किलोमीटर मार्ग पर 2X48 फाइबर केबल बिछाने का कार्य 115.74 करोड़ रुपये की लागत सेय दिल्ली मंडल में 1,204 किलोमीटर मार्ग पर 2X48 फाइबर केबल बिछाने और स्टेशनों पर ऑप्टिकल फाइबर संचार केन्द्र स्थापित करने का कार्य 165.49 करोड़ रुपये की लागत से और लखनऊ मंडल में 1,074 किलोमीटर मार्ग पर 2X48 फाइबर केबल बिछाने का कार्य 119.63 करोड़ रुपये की लागत से किया जाना शामिल हैं।

उत्तर मध्य रेलवे में कवच के लिए ऑप्टिकल फाइबर संचार व्यवस्था 2,196 किलोमीटर मार्ग में स्थापित की जाएगी।

भारतीय रेल ने उत्तर मध्य रेलवे में कवच लाइन पर 2X48 फाइबर ऑप्टिकल फाइबर संचार केबल बिछाने के लिए 176,7699 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह कार्य भारतीय रेलवे के संचार तंत्र को सुदृढ़ बनाने, मरम्मत कार्य और कजपुर्जे बदलने की व्यापक परियोजना के अंतर्गत किया जाएगा।
उत्तर मध्य रेलवे के लिए 200 करोड़ रुपये का उप-क्षेत्रीय आवंटन किया गया है। इसके अंतर्गत 2,196 किलोमीटर के मार्ग में प्रयागराज मंडल में 1,016 किलोमीटर, झांसी मंडल में 709 किलोमीटर और आगरा मंडल में 471 किलोमीटर के मार्ग पर उपरोक्त कार्य शामिल हैं।
यह परियोजना कवच लगाने में सहायता के साथ ही अधिक यातायात वाले मार्गों पर संचार के बुनियादी ढांचे में सुधार लाएगी।

दक्षिण मध्य रेलवे में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्यों को मंजूरी

भारतीय रेल ने दक्षिण मध्य रेलवे में पैनल इंटरलॉकिंग को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम से बदलने के लिए कुल 578.02 करोड़ रुपये की लागत से दो कार्यों को मंजूरी दी है। ये कार्य हब एंड स्पोक परिवहन नेटवर्क हैं जो प्रमुख शहरों को छोटे शहरों से जोड़ते हैं। मार्गों पर शेष स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरल किंग की व्यवस्था जहां कवच/एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम / केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण स्वीकृत है और 2024-25 नामक अंब्रेला परियोजना के अंतर्गत आते हैं, जिसे सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य PH-33 के तहत 15,164 करोड़ रुपये की लागत से अनुमोदित किया गया है।
दक्षिण मध्य रेलवे के लिए 1,857 करोड़ रुपये के उप-अम्ब्रेला आवंटन के तहत दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें गुंटकल मंडल में उच्च घनत्व नेटवर्क -एचडीएन और अत्यधिक उपयोग किए जाने वाले नेटवर्क-एचयूएन मार्गों पर स्थित 35 स्टेशनों पर पैनल इंटरल किंग को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से बदलने की 426.82 करोड़ रुपये की परियोजना है और नांदेड़ मंडल में एचडीएन/एचयूएन मार्गों पर स्थित 14 स्टेशनों पर 151.20 करोड़ रुपये इसी प्रकार की परियोजना शामिल है।
इन कार्यों का उद्देश्य सिग्नलिंग को अधिक भरोसेमंद बनाना, मैन्युअल काम में कमी लाना और अधिक यातायात वाले मार्गों पर सुरक्षा बढाना है। ये सभी परियोजनाएं भारतीय रेल के आधुनिकीकरण के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं, जिनमें सुरक्षा, विश्वसनीयता और क्षमता वर्धन पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है। इनसे कवच प्रणाली स्थापित करने में सहायता मिलेगी, संचार तंत्र मजबूत होगा और प्रमुख मार्गों पर सिग्नलिंग प्रणालियों को समुन्नत बनाया जा सकेगा। इनसे परिचालन दक्षता में सुधार और समूचे नेटवर्क पर सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित होने की संभावना है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रयागराज मंडल में यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

सूत्र/रे.स.ब्यू- मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री हरिमोहन के निर्देशन में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान प्रयागराज मंडल ने यात्री सुविधाओं के विकास एवं विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। मंडल द्वारा यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों को स्वीकृति प्रदान कर उन्हें धरातल पर उतारा जा रहा है।

मंडल द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान 430 स्टेनलेस स्टील बेंच एवं 112 कुशन युक्त स्टील बेंच विभिन्न स्टेशनों पर स्थापित किए गए हैं, जिससे यात्रियों को बैठने की बेहतर सुविधा मिल रही है। यह कार्य पूर्व में स्वीकृत योजना को पूर्ण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल सुविधाओं के विस्तार के तहत 19 स्टेशनों पर 33 नए एटीवीएम (ATVM) मशीनें स्थापित की गई हैं, जिनमें खागा, बिंदकी रोड एवं अछल्दा जैसे स्टेशनों पर पहली बार यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में मंडल के 37 स्टेशनों पर कुल 156 एटीवीएम मशीनें कार्यरत हैं।

जनसुविधाओं को विस्तारित करने के लिए प्रयागराज जंक्शन, इटावा, टूंडला जंक्शन, अलीगढ़ जंक्शन पर एक-एक एवं गोविंदपुरी में 2 'पे एंड यूज' टॉयलेट के O&M कॉन्ट्रैक्ट शुरू किए गए। इसके साथ ही अलीगढ़ जंक्शन पर BOT मॉडल के अंतर्गत डीलक्स 'पे एंड यूज' टॉयलेट का कॉन्ट्रैक्ट शुरू किए गए।

खानपान की सुविधाओं बेहतर बनाने के लिए प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या -2/3 पर उत्तर मध्य रेलवे का पहला 'फ्रूट एंड जूस बार' शुरू किया गया एवं 9 अन्य स्टेशनों पर 16 'फ्रूट एंड जूस बार' भी शुरू किए गए हैं । मंडल के 18 स्टेशनों पर 35 खानपान स्टॉल एवं 8 स्टेशनों पर 25 बहुउद्देशीय स्टॉल शुरू किए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्रयागराज छिवकी पर एक 'रिफ्रेशमेंट रूम' शुरू किया गया है। पेयजल सुविधा को सुगम बनाने के लिए गोविंदपुरी, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी मानिकपुर, टूंडला एवं शिकोहाबाद MKP,TDL और SKB सहित 5 स्टेशनों पर अनुबंध के तहत 5 वर्षों के लिए 17 वाटर वेंडिंग मशीन स्थापित की गई। मंडल में खानपान विक्रेताओं को दिए जाने वाले पारंपरिक पहचान पत्रों को भी आधुनिक बनाते हुए अब QR कोड आधारित पहचान पत्र जारी किए गए हैं।

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्टेशनों पर बेबी फीडिंग पॉड की शुरुआत जून माह से की गई है। इसके अलावा, अलीगढ़ स्टेशन पर आधुनिक रेल कोच रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया गया, जो यात्रियों को एक अनूठा भोजन अनुभव प्रदान कर रहा है। मिर्जापुर स्टेशन पर नया फूड प्लाजा भी प्रारंभ किया गया है।

यात्रियों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रयागराज छिवकी, अलीगढ़ एवं कानपुर सेंट्रल में 'दवा-दोस्त' स्टॉल एवं मिर्जापुर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र शुरू किया गया। मिर्जापुर स्टेशन पर पेड एसी वेटिंग हॉल भी प्रारंभ किया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ का भीलड़ी-समदड़ी-लूणी-जोधपुर रेलखंड का निरीक्षण दौरा

रेलखंड में प्रगति पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं में विकास कार्यों का लिया जायजा

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने जोधपुर मंडल के भीलड़ी समदड़ी लूणी जोधपुर रेलखंड का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टेशनों एवं सेक्शनों पर चल रहे विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं एवं संरक्षा व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके साथ जीएम ने भीलड़ी से जोधपुर तक विंडोट्रेलिंग निरीक्षण कर संरक्षा/सुरक्षा मापदंडों का निरीक्षण किया। इस क्रम में महाप्रबंधक ने ओढ़वा स्टेशन का दौरा कर स्टेशन अधीक्षक कार्यालय सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस अवसर पर रेल सुविधाओं से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा।

धनेरा स्टेशन पर महाप्रबंधक ने नवनिर्मित अधिकारी विश्राम गृह का उद्घाटन किया तथा स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, प्रतीक्षालय एवं निर्माणाधीन स्टेशन भवन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा उनका पारंपरिक स्वागत किया गया तथा रेल सेवाओं से संबंधित मांगों को लेकर ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ परिसर में पौधारोपण भी किया।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित मारवाड़ भीनमाल स्टेशन का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने कार्यों की प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया। स्टेशन परिसर में संरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से "संरक्षा संवाद" आयोजित किया गया, जिसमें रेलकर्मियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षित एवं बेहतर रेल संचालन के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान रेलकर्मियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक आश्वासन भी दिया गया। साथ ही, नवनिर्मित अधिकारी विश्राम गृह का उद्घाटन भी किया गया।

इसके पश्चात महाप्रबंधक ने भीनमाल लेदरमेर सेक्शन में निर्माणाधीन ब्रिज संख्या 72 का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मोदरान स्टेशन पर नव निर्मित स्टेशन भवन का अवलोकन करते हुए महाप्रबंधक ने विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्थानीय संगठनों एवं ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया तथा रेल मांगो से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया।

जालौर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन अधीक्षक कक्ष, प्रतीक्षालय एवं फुट ओवर ब्रिज (FOB) का गहन निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बालवाड़ा मोकलसर सेक्शन में स्थित गेट संख्या सी-24 का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने गेटमैन सुखराम की कार्यप्रणाली की सराहना की एवं उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए 5 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इसके साथ ही गैंग नंबर 5 के कार्यों का निरीक्षण कर कर्मचारियों से संवाद किया तथा उन्हें 20 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इसके बाद समदड़ी स्टेशन पर भी महाप्रबंधक ने निरीक्षण कर स्टेशन व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

रिकॉर्ड माल ढुलाई, उन्नत यात्री सेवाओं और बुनियादी ढांचे के तीव्र विस्तार के साथ-साथ आत्मनिर्भरता वित्त वर्ष 2025-26 में ऐतिहासिक वृद्धि को नई गति प्रदान कर रही है

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापक और महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है, जिसमें माल ढुलाई, यात्री सेवाओं, अवसंरचना विकास, सुरक्षा प्रणालियों, डिजिटल कार्यक्रमों तथा प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां शामिल हैं। ये उपलब्धियां आर्थिक गतिविधियों को गति देने, देशव्यापी संपर्क को सशक्त बनाने और सुगम एवं कुशल आवागमन सुनिश्चित करने में रेलवे की केंद्रीय भूमिका को उजागर करती हैं।

रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय रेलवे की अभूतपूर्व प्रगति की जानकारी दी है। उन्होंने माल ढुलाई और यात्री परिवहन में रिकॉर्ड प्रदर्शन, नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों सहित वंदे भारत सेवाओं के विस्तार, दुर्घटनाओं में कमी के साथ उन्नत प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षा में ऐतिहासिक सुधार तथा स्टेशन और टर्मिनल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने जैसे प्रमुख पहलुओं का जिक्र किया है। इन प्रयासों से देशभर में रेल संपर्क व्यवस्था उन्नत हुई है और यात्रियों के समग्र अनुभव में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

वर्ष भर रेल परिचालन सुचारू रूप से चलता रहा, प्रतिदिन लगभग 25,000 ट्रेनें संचालित हुईं, जिससे व्यापक संपर्क सुनिश्चित हुआ। यात्रियों की मांग बढ़ने पर अतिरिक्त विशेष रेल सेवाएं शुरू की गईं, जिससे यात्रा में सुविधा और सुगमता में सुधार हुआ।

माल ढुलाई ने ऐतिहासिक ऊंचाई हासिल करते हुए इस वर्ष 1,670 मिलियन टन की रिकॉर्ड लोडिंग दर्ज की। यह उल्लेखनीय बढ़ोतरी भारतीय रेलवे की कोयला, सीमेंट, उर्वरक और खाद्यान्न जैसी प्रमुख वस्तुओं को कुशलतापूर्वक परिवहन करने की क्षमता को दर्शाती है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता एवं मजबूती सुनिश्चित होती है।

भारतीय रेलवे ने विनिर्माण क्षेत्र में 1,674 लोकोमोटिव का उत्पादन करके अपने 'मेक इन इंडिया' प्रयासों को और बढ़ाया है। यात्री के लिए रोलिंग स्टॉक का आधुनिकीकरण भी जारी है, जिसके तहत 6,677 एलएचबी कोचों का निर्माण किया गया, जिससे यात्रा अधिक सुरक्षित व आरामदायक हो गई। वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ियों की शुरुआत से यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिससे वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों के मौजूदा बेड़े का विस्तार हुआ है। ये सेवाएं विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्राओं के लिए तेज, आधुनिक और अधिक यात्री-अनुकूल विकल्प प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

स्वदेशी कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के विस्तार के साथ सुरक्षा पहलों को उल्लेखनीय गति मिली है। इसे अब 3,100 किलोमीटर से अधिक मार्गों पर चालू किया जा चुका है, जबकि अतिरिक्त 24,400 किलोमीटर मार्गों पर इसका कार्यान्वयन प्रगति पर है। यह प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली दुर्घटनाओं की रोकथाम और समग्र परिचालन सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डिजिटल परिवर्तन भारतीय रेलवे के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र बना रहा। जुलाई 2025 में रेलवन ऐप के शुरू होने से यात्रियों को टिकट बुकिंग, ट्रेन संबंधी जानकारी और शिकायत निवारण के लिए एक एकीकृत एवं सुविधाजनक मंच प्रदान हुआ है। इसके साथ ही, टिकटिंग प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किए गए निरंतर प्रयासों के तहत 3.04 करोड़ से अधिक संदिग्ध उपयोगकर्ता खातों को हटाया गया, जिससे रेलवे सेवाओं तक निष्पक्ष और समान पहुंच को बढ़ावा मिला है।

35 गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के संचालन के साथ अवसंरचना विकास को नई गति मिली है, जिससे लॉजिस्टिक्स दक्षता और मल्टी-मोडल एकीकरण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 119 स्टेशनों का पुनर्विकास किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप आधुनिक सुविधाएं विकसित हुई हैं और यात्रियों के समग्र अनुभव में उल्लेखनीय सुधार आया है।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। बैराबी सैरांग रेल लाइन के माध्यम से आइजोल तक रेल संपर्क का विस्तार हुआ है, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क और अधिक सुदृढ़ हुआ है। साथ ही, प्रमुख पुल निर्माण परियोजनाओं ने जम्मू-कश्मीर के लिए हर मौसम में निर्बाध रेल संपर्क सुविधा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

■■■

अब रेलवे लगाएगा आधुनिक कॉम्पोजिट स्लीपर, एआई की मदद से ट्रैक की होगी अब और बेहतर निगरानी

रेल यात्रा अब और भी सुरक्षित व आरामदायक होगी, रेल मंत्रालय में हुई बैठक में रेल मंत्री जी ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

सूत्र/पीआईबी- रेल भवन, नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ हुई एक समीक्षा बैठक में रेल मंत्री ने यह बड़ा निर्णय लिया। कंक्रीट और लोहे के मुकाबले कॉम्पोजिट पदार्थों से बने ये कॉम्पोजिट स्लीपर प्रति वर्ग सेंटीमीटर 700 किलोग्राम तक का भार उठा सकते हैं। ये कॉम्पोजिट स्लीपर अधिक समय तक भी चलेंगे। इनके लगने से रेलवे को मौजूदा स्लीपरों के रखरखाव में आने वाली लागत में भी कमी आएगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में यह तय किया गया कि रेलवे ट्रैक की निगरानी अब एआई की मदद से होगी। इसके लिए उपयोग में लाई जा रही निरीक्षण गाड़ियों में एआई तकनीक से लैस एक विशेष डिवाइस लगाई जाएगी। ग्राउंड पेनिट्रेशन रडार नाम की यह डिवाइस रेलवे ट्रैक के आधार का जायजा लेगी।

रेल पटरियों में होने वाली वेल्डिंग की गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए एक नई तकनीक "मैग्नेटिक पार्टिकल टेस्टिंग" के उपयोग का निर्णय लिया गया। यह परीक्षण आपस में जोड़े जाने वाली वेल्डिंग के सूक्ष्म दोषों को पहचानने में काफी कारगर है।

महत्वपूर्ण निर्णय में यह तय किया कि ब्रिज एप्रोच एवं पॉइंट्स, क्रॉसिंग में प्रयोग किए जाने वाले स्लीपर अब कॉम्पोजिट होंगे।

लोहे तथा कंक्रीट के मौजूदा भारी स्लीपरों के मुकाबले ये नए स्लीपर न सिर्फ हल्के हैं बल्कि अधिक लोड लेने में सक्षम हैं। इसकी कुशनिंग बेहतर है। इन्हें बिछाना और इनकी मरम्मत आसान है।

भारतीय रेलवे ने अहमदाबाद और रतलाम डिवीज़नों के लिए 398.36 करोड़ रुपये की ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारभूत ढांचा परियोजना को मंजूरी दी

डिजिटल संपर्क बढ़ाने और कवच कार्यान्वयन को समर्थन देने की परियोजना

पश्चिमी रेलवे में संचार अवसंरचना को मजबूत करने के लिए 1929 आरकेएम ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, जिसमें अहमदाबाद डिवीज़न में 1456 आरकेएम और रतलाम डिवीजन में 473 आरकेएम शामिल हैं

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने पश्चिमी रेलवे में अपने संचार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत अहमदाबाद और रतलाम डिवीजनों में 4X48 ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारभूत ढांचा (ओएफसी) प्रावधान को कुल 398.36 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है।

यह परियोजना "भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) संचार आधारभूत ढांचे के साथ कवच उपलब्ध कराने (अम्ब्रेला वर्क 2024-25)" शीर्षक वाले अंब्रेला वर्क के तहत स्वीकृत की गई है, जिसकी कुल स्वीकृत लागत 2024-25 के कार्य कार्यक्रम (पीएच-33) के अंतर्गत 27,693 करोड़ रुपये है। पश्चिमी रेलवे के लिए 2,800 करोड़ रुपये की लागत से एक उप-अम्ब्रेला वर्क भी स्वीकृत किया गया है, जिसके तहत यह परियोजना शुरू की गई है।

स्वीकृत कार्य के अंतर्गत, पश्चिमी रेलवे के 1929 रूट किलोमीटर (आरकेएम) पर 2X48 फाइबर ओएफसी केबल बिछाई जाएंगी। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अहमदाबाद डिवीजन में 1456 वर्ग किलोमीटर
- रतलाम डिवीजन में 473 आर.के.मी.

संचार तंत्र में यह महत्वपूर्ण वृद्धि रेलवे संचार प्रणालियों की क्षमता, विश्वसनीयता और दक्षता को बढ़ाएगी। यह कवच सहित आधुनिक सिग्नलिंग प्रणालियों को भी सहयोग प्रदान करेगी, जिससे नेटवर्क पर निर्बाध डेटा प्रसारण संभव हो सकेगा।

यह पहल भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण, सुरक्षा संवर्धन और डिजिटल रूपांतरण की दिशा में एक और कदम है, जो यात्रियों और माल ढुलाई संचालन के लिए बेहतर परिचालन दक्षता और बेहतर सेवा वितरण सुनिश्चित करेगी।

संपादकीय

विश्व पृथ्वी दिवस पर रेल यात्री का दायित्व: जिम्मेदारी की असली पहचान

विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) हमें यह याद दिलाने के लिए है कि पृथ्वी की रक्षा केवल नीतियों और अभियानों से नहीं, बल्कि हमारे व्यक्तिगत आचरण से संभव है। एक यात्री के रूप में हमारा व्यवहार ही तय करता है कि हम इस जिम्मेदारी को कितनी गंभीरता से निभा रहे हैं। रेल यात्रा के दौरान हमारा पहला दायित्व हैं स्वच्छता। डिब्बे में कूड़ा फैलाना, प्लास्टिक बोतलें और रैपर इधर-उधर छोड़ देना न केवल असभ्यता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी उदासीनता को भी दर्शाता है। यदि हम सच में पृथ्वी के प्रति सजग हैं, तो डस्टबिन का उपयोग करना हमारी प्राथमिक आदत होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण दायित्व हैं संसाधनों का संरक्षण। पानी और बिजली का अनावश्यक उपयोग केवल व्यक्तिगत लापरवाही नहीं, बल्कि सामूहिक नुकसान है। एक जिम्मेदार यात्री वही है जो जरूरत के अनुसार ही संसाधनों का उपयोग करे। तीसरा, ध्वनि और सामाजिक अनुशासन का पालन। तेज आवाज में मोबाइल चलाना या दूसरों को असुविधा पहुंचाना यह दिखाता है कि हम साझा स्थानों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। पृथ्वी दिवस का संदेश केवल प्रकृति तक सीमित नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व और सम्मान की भावना से भी जुड़ा है।

इसके अलावा, प्लास्टिक के उपयोग को कम करना, पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं का इस्तेमाल करना और सहयात्रियों के प्रति सहयोगी रवैया रखना भी हमारे दायित्व का हिस्सा है। स्पष्ट है कि एक यात्री का दायित्व केवल टिकट लेकर यात्रा करना नहीं, बल्कि यात्रा को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना भी है। यदि हर यात्री अपने छोटे-छोटे कर्तव्यों को समझे और निभाए, तो विश्व पृथ्वी दिवस का उद्देश्य वास्तव में सार्थक हो सकता है। पृथ्वी को बचाने की शुरुआत कहीं और नहीं, बल्कि हमारे अपने व्यवहार से होती हैं और एक जिम्मेदार यात्री बनना उसी दिशा में पहला कदम है।

Scanned with OKEN Scanner

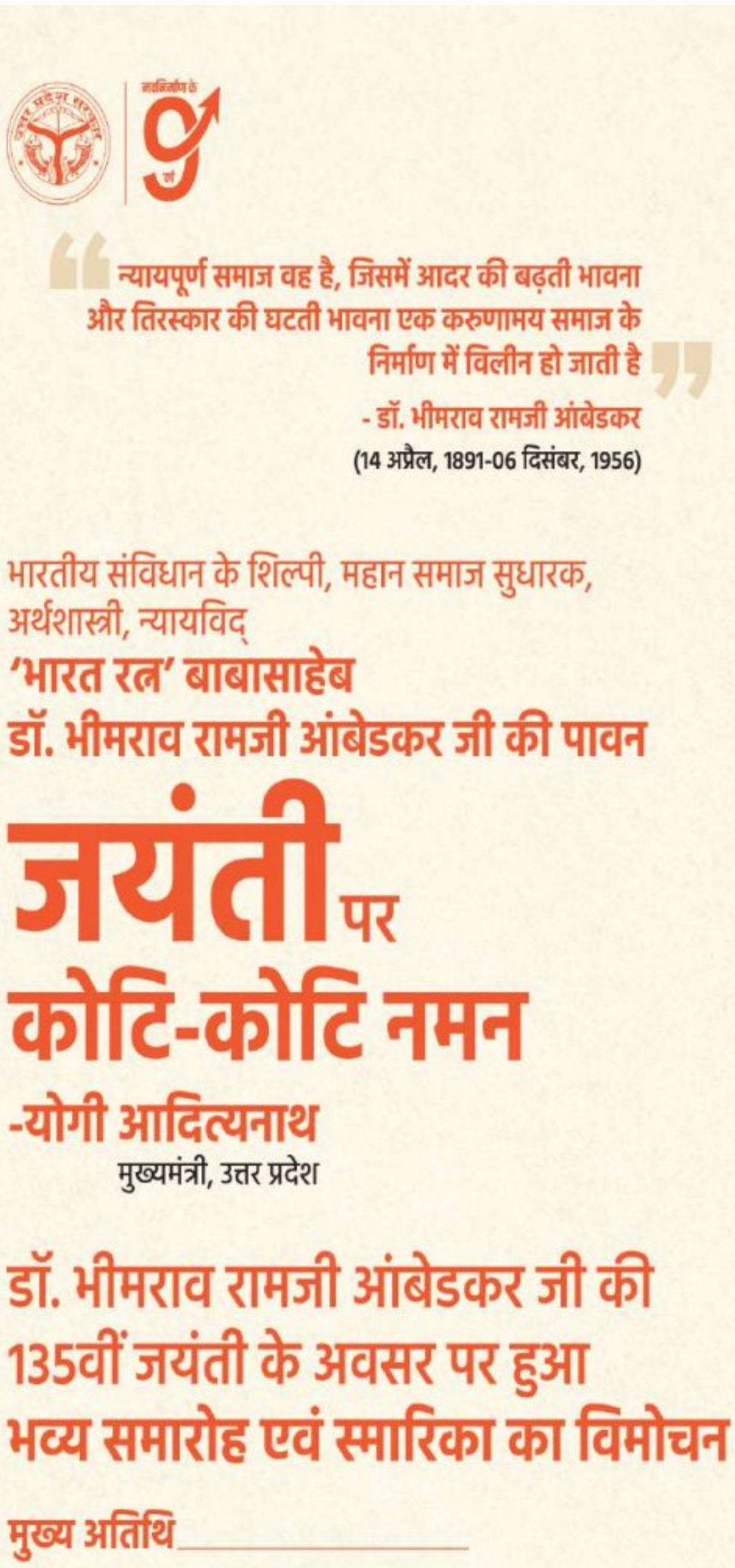

"न्यायपूर्ण समाज वह है, जिसमें आदर की बढ़ती भावना और तिरस्कार की घटती भावना एक करुणामय समाज के निर्माण में विलीन हो जाती है"

- डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर

(14 अप्रैल, 1891-06 दिसंबर, 1956)

भारतीय संविधान के शिल्पी, महान समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, न्यायविद्

'भारत रत्न' बाबासाहेब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी की पावन

जयंती पर कोटि-कोटि नमन

-योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर हुआ भव्य समारोह एवं स्मारिका का विमोचन

मुख्य अतिथि

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

बेबी रानी मौर्य
मंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश

जयवीर सिंह
मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश

असीम अरुण
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश

बृज लाल
सदस्य, राज्य सभा

सुषमा खर्कवाल
महापौर, लखनऊ

डॉ. लाल जी प्रसाद निर्मल
सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 14 अप्रैल, 2026 I स्थान : भारत रत्न बोधिसत्व बाबासाहेब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर, लखनऊ

बाबासाहेब के सुविचार-अनुपालन करती यूपी सरकार

लखनऊ के ऐशबाग में भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण गतिमान (बाबासाहेब की 25 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना, पुस्तकालय, शोध केंद्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह एवं संग्रहालय)

निर्धन परिवारों की आमदनी को दीर्घकालिक रूप से ₹1.25 लाख पर पहुंचाने के लिए डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी की प्रेरणा से जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम संचालित; अब तक 13.57 लाख परिवार लाभान्वित

विगत 9 वर्षों में पूर्व दशम एवं दशमोत्तर के अनुसूचित जाति के 1.39 करोड़+ विद्यार्थियों को ₹9,754 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित

श्रमिक एवं वंचित परिवार के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी के नाम पर छात्रावास पुनर्निर्माण एवं नव निर्माण योजना

वंचितों की उन्नति का आधार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

Scanned with OKEN Scanner

आयुष मंत्रालय ने "दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी'' विषय पर राष्ट्रीय समारोह के साथ विश्व होम्योपैथी दिवस 2026 मनाया

सरकार अवसंरचना, डिजिटल प्लेटफॉर्म और अनुसंधान के माध्यम से आयुष परितंत्र को सुदृढ़ बना रही है- वैद्य राजेश कोटेचा

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में ''दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी'' विषय पर केंद्रित एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ विश्व होम्योपैथी दिवस इण्हट मनाया। इस समारोह में देश भर से नीति निर्माता, शोधकर्ता, चिकित्सक, शिक्षाविद और छात्र शामिल हुए। यह समारोह डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इसमें समावेशी तथा सतत स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने में होम्योपैथी की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में, देश में सशक्त संस्थानों और अनुसंधान निकायों के सहयोग से एक मजबूत और विस्तारित होम्योपैथी कार्यबल विकसित किया गया है। सीसीआरएच, एनसीएच और एनआईएच जैसे संगठन अनुसंधान, शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा वितरण के माध्यम से होम्योपैथी की वैज्ञानिक नींव, नियामक ढांचे और जनविश्वास को लगातार मजबूत कर रहे हैं। इससे देश भर में सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।''

श्री जाधव ने कहा कि होम्योपैथी को एक विश्वसनीय और वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक चिकित्सा पद्धति के रूप में और अधिक मजबूत बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित प्रगति, अंतर्विषयक सहयोग और सतत अनुसंधान आवश्यक हैं। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक अध्ययनों को बढ़ावा देने, शिक्षा के मानकों में सुधार करने और चिकित्सकों, शोधकर्ताओं तथा नीति निर्माताओं के बीच मजबूत समन्वय को प्रोत्साहित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों के अनुरूप एक समग्र और टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा मॉडल को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

"अनुसंधान, विनियमन और संस्थागत सहयोग से होम्योपैथी क्षेत्र सुदृढ़ हो रहा है: श्री प्रतापराव जाधव''

आयुष मंत्रालय में सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने बताया कि सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश, सेवाओं के विस्तार और आयुष ग्रिड तथा एचएमआईएस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से आयुष परितंत्र को मजबूत कर रही है, ताकि साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में सहायता मिल सके। उन्होंने कुशल और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के विकास हेतु शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणालियों के आधुनिकीकरण के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

श्री कोटेचा ने यह भी बताया कि मजबूत संस्थागत नेटवर्क और अनुसंधान तथा मानकीकरण पर बढ़ते जोर के समर्थन से भारत दुनिया भर में होम्योपैथी के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में उभरा है, जो सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा में योगदान दे रहा है।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री अलार्मेलमंगई डी. ने कहा कि देश की स्वास्थ्य प्रणाली में होम्योपैथी की महत्वपूर्ण भूमिका बनी हुई है, जिसमें संस्थागत विकास, मानकीकरण और वैश्विक स्तर पर पहुंच पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी चिकित्सकों के राष्ट्रीय रजिस्टर जैसी पहल पारदर्शिता बढ़ा रही हैं और पेशेवर व्यवस्था को मजबूत कर रही हैं, जबकि शिक्षण संस्थानों और चिकित्सकों का बढ़ता नेटवर्क इस प्रणाली की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रभावी रोगी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए इस विस्तार को नैदानिक प्रशिक्षण और दवाइयों की गुणवत्ता के उच्च मानकों के अनुरूप ढालना आवश्यक है।

आयुष मंत्रालय में होम्योपैथी सलाहकार डॉ. प्रीथा किझक्कुटिल ने कहा कि होम्योपैथी स्वास्थ्य सेवा के लिए रोगी-केंद्रित और किफायती इलाज प्रदान करती है, जिसमें निवारक और दीर्घकालिक रोगों के इलाज की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि मंत्रालय के तहत चल रही पहलों से इसकी पहुंच और एकीकरण में सुधार हो रहा है, जबकि शिक्षा, अनुसंधान और नैतिक व्यवहार पर निरंतर ध्यान देने से इस प्रणाली की विश्वसनीयता और पहुंच मजबूत हो रही है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा, ''विश्व होम्योपैथी दिवस एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित हुआ है जो होम्योपैथी की बढ़ती मान्यता को दर्शाता है। यह मंच शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को संवाद, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाता है। आज हमारा ध्यान अनुसंधान, नीति और व्यवहार के बीच संबंध को मजबूत करने पर है ताकि वैज्ञानिक ज्ञान को सार्थक जन स्वास्थ्य परिणामों में बदला जा सके।''

राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के अध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर जैन ने जोर देते हुए कहा, "भारत में होम्योपैथी आज केवल एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति नहीं है, बल्कि 345 लाख से अधिक पंजीकृत चिकित्सकों और 291 शिक्षण संस्थानों के समर्थन से यह मुख्यधारा की चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित हो चुकी है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के माध्यम से, हम पारदर्शिता, शिक्षा की गुणवत्ता और नैतिक मानकों को मजबूत कर रहे हैं ताकि इस प्रणाली की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता को और बढ़ाया जा सके।"

इस अवसर पर, कई महत्वपूर्ण प्रकाशन और ज्ञान संसाधन जारी किए गए, जिनमें सीसीआरएच का नया आधिकारिक लोगो और कार्यक्रम की स्मृति चिन्ह शामिल हैं। जारी किए गए प्रमुख प्रकाशनों में ''सीसीआरएच जर्नीः पब्लिकेशन आउटरीच एंड नॉलेज डिससेमिनेशन'', एकोरस कैलमस पर एक मोनोग्राफ और ''होम्योपैथिक दवाओं के वैज्ञानिक परिप्रेक्षयः एक चिकित्सक की मार्गदर्शिका'' शामिल हैं। सीसीआरएच का नया न्यूजलेटर और इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन होम्योपैथी (आईजेआरएच) का नवीनतम अंक, वॉल्यूम 20, अंक 1, भी जारी किए गए। इसके साथ ही राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) ने अधिनियम, नियम और विनियमों का वॉल्यूम 2 भी जारी किया।

डिजिटल मोर्चे पर, प्रमुख पहलों में आयुष ग्रिड पोर्टल पर एक प्रमाणन पाठ्यक्रम, एआई-सक्षम ज्ञान प्रसार सामग्री, आईआरआईएनएस एकीकरण, एक हिंदी शब्दकोश वेबसाइट और होम्योपैथिक जागरूकता सप्ताह (1-7 अप्रैल, 2026) के दौरान आयोजित राष्ट्रव्यापी गतिविधियों का एक ऑडियो-विजुअल संकलन शामिल था।

इस कार्यक्रम से साक्ष्य-आधारित, सुलभ और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में होम्योपैथी को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। अनुसंधान, शिक्षा, डिजिटल एकीकरण और जनसंपर्क पर निरंतर ध्यान केंद्रित करते हुए, आयुष मंत्रालय का लक्ष्य समाज के सभी वर्गों को किफायती और समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में होम्योपैथी की भूमिका को और अधिक बढ़ाना है।

केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने 'आयुष चिंतन शिविर 2026' का उद्घाटन किया

सूत्र/रे.स.ब्यू - आयुष मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नई दिल्ली में 'चिंतन शिविर 2026' का उद्घाटन किया। यह दो दिवसीय रणनीतिक विचार-विमर्श कार्यक्रम आयुष के विभिन्न क्षेत्रों पर केंद्रित सत्रों के साथ 17 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख नीतियों पर चर्चा, संस्थानों को सुदृढ़ करने और आयुष क्षेत्र के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने पर विचार किया जाएगा।

इस अवसर पर श्री जाधव ने कहा कि यह चिंतन शिविर आयुष क्षेत्र में नीति दिशा को सुदृढ़ करने और प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति सरकार के संकल्प को दर्शाता है। पहले चिंतन शिविर के आधार पर आगे बढ़ते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सम्मेलन का उद्देश्य प्रगति की समीक्षा करना, कमियों की पहचान करना और एक व्यावहारिक, भविष्य के अनुरूप रोडमैप तैयार करना है। उन्होंने 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' तथा 'हील इन इंडिया, हील बाय इंडिया' के दृष्टिकोण के अनुरूप जीवनशैली संबंधी रोगों से निपटने में आयुष की बढ़ती प्रासंगिकता पर भी प्रकाश डाला।

श्री जाधव ने कहा कि बजट आवंटन में वृद्धि आयुष क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान, अवसंरचना और वैश्विक पहुंच को सुदृढ़ करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, अंतर-मंत्रालयी समन्वय और समग्र सरकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया तथा नवाचार, डिजिटलीकरण, उद्यमिता और जन-जागरूकता पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे विचार-विमर्श को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन योग्य परिणामों में परिवर्तित करें और विश्वास व्यक्त किया कि आयुष विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि चिंतन शिविर आयुष क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा और भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने बताया कि श्री प्रतापराव जाधव के मार्गदर्शन में मंत्रालय पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय के माध्यम से आयुष को आगे बढ़ा रहा है, साथ ही अनुसंधान, वैश्विक सहयोग और जनसंपर्क को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह विचार-विमर्श समयबद्ध और क्रियान्वयन योग्य परिणामों में परिवर्तित होगा, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में योगदान देगा।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती अलार्मेलमंगई डी. ने कहा कि यह शिविर सार्थक संवाद और सहयोगात्मक नीति निर्माण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि आयुष स्वास्थ्य क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है और इसे राष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है। उन्होंने अनुसंधान, नवाचार और संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करने के महत्व पर बल दिया तथा युवा पेशेवरों और शोधकर्ताओं की भूमिका को भी रेखांकित किया।

उद्घाटन सत्र का एक प्रमुख आकर्षण अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली और जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान रहा, जो आयुष उपचारों के लिए

आयुष मंत्री ने मंत्रालय का व्हाट्सएप चैनल शुरू किया और आयुष बीमा के लिए टोल-फ्री नंबर जारी किया

बीमा कवरेज का विस्तार और दावों के निपटान तंत्र को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रो. पी.के. प्रजापति, निदेशक, एआईआईए और कस्तूरी सेनगुप्ता, महासचिव, जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने केंद्रीय आयुष मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। जीआई काउंसिल के ईसी सदस्य प्रो. बेजोन के. मिश्रा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और उन्होंने इस क्षेत्र में प्रगति के लिए मंत्री के निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय आयुष मंत्री ने मंत्रालय का आधिकारिक व्हाट्सएप चौनल शुरू किया, जिससे वास्तविक समय में संवाद और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही 'आयुष उपचारों के लिए बीमा कवरेज की मानक दरों में संशोधन तथा विभिन्न उपचारों/हस्तक्षेपों के दावों के निपटान' शीर्षक दस्तावेज भी जारी किया गया, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता, वहनीयता और मानकीकरण को बढ़ाना है। मंत्रालय ने आयुष बीमा के लिए टोल-फ्री नंबर (1800-11-0008) भी जारी किया।

आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयुर्वेद) डॉ. कौस्तुभ उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सभी गणमान्य अतिथियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उद्घाटन सत्र को सफल बनाने में सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की और आश्वासन दिया कि चिंतन शिविर में हुई चर्चा को आयुष क्षेत्र के विकास और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रभावी परिणामों में परिवर्तित किया जाएगा।

कार्यक्रम के पहले दिन तीन विषयगत सत्र आयोजित किए गए, जिनमें क्षेत्र के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई। प्रथम सत्र में वर्ष 2023 में आयोजित पहले चिंतन शिविर के परिणामों और उस पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई, जिससे भविष्य की नीति दिशा तय करने में सहायता मिलेगी। दूसरे सत्र "ट्रेडिशन टू ट्रांसलेशनः साक्ष्य, नवाचार और वैश्विक साझेदारी को सुदृढ़ करना" में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक मान्यता के बीच सेतु बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। तीसरे सत्र "आयुष में वाद प्रबंधन और विधिक तैयारी" में विनियामक ढांचे और क्षेत्र के विस्तार में विधिक तैयारी के महत्व पर चर्चा की गई।

Scanned with OKEN Scanner

श्री रामन कृष्णन बने आरेडिका के नये महाप्रबंधक

सूत्र/रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के नवनियुक्त महाप्रबंधक श्री रामन कृष्णन ने दिनांक 09 अप्रैल, 2026 को महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया। श्री रामन कृष्णन वर्ष 1990 बैच के भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा (आईआर एसएमई) के वरिष्ठ अधिकारी हैं तथा भारतीय रेल में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध एवं बहुआयामी अनुभव रखते हैं। आरेडिका में पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे।

अपने दीर्घ सेवाकाल में श्री रामन कृष्णन ने भारतीय रेल के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इनमें दक्षिण पश्चिम रेलवे में मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एवं मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर, रेल व्हील फैक्ट्री में मुख्य कार्यशाला इंजीनियर, भारतीय रेलवे यांत्रिक एवं विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान (इरिमी), जमालपुर में वरिष्ठ प्रोफेसर, दक्षिण रेलवे एवं रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, तथा दक्षिण रेलवे में कार्यशाला प्रबंधक एवं सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर जैसे पद शामिल हैं।

श्री रामन कृष्णन ने सिंगापुर एवं कुआलालंपुर (मलेशिया) से एडवांस मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम तथा भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी (नायर), वडोदरा से मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्ष 2001 में रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में कार्य के दौरान वियतनाम नेशनल रेलवे को बोगियों के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे में उच्च हॉर्सपावर (HHP) लोकोमोटिव के स्पेयर की खरीद में उत्कृष्ट भूमिका के लिए उन्हें दो बार महाप्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उन्हें दो बार प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

श्री रामन कृष्णन को डीजल ट्रैक्शन, रेल कोच निर्माण, वर्कशॉप प्रबंधन एवं रोलिंग स्टॉक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष विशेषज्ञता प्राप्त है। उन्होंने भारतीय रेल में नकद आधारित लेखांकन से उपार्जन आधारित लेखांकन प्रणाली में परिवर्तन तथा संगठनात्मक व्यवहार से संबंधित विषयों पर भी महत्वपूर्ण शोध कार्य किए हैं।

अपर मंडल रेल प्रबंधक, आगरा के रूप में श्री गिरीश कुमार गुप्ता ने संभाला पदभार

सूत्र/रे.स.ब्यू- आगरा मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक के पद पर श्री गिरीश कुमार गुप्ता ने पदभार ग्रहण कर लिया है। निवर्तमान अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री प्रनव कुमार के स्थानांतरण के उपरांत यह दायित्व सौंपा गया है। श्री गिरीश कुमार गुप्ता भारतीय रेल भंडार सेवा (IRSS) के वर्ष 2005 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में अपनी शिक्षा जयपुर से पूर्ण की है तथा रेलवे के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए व्यापक प्रशासनिक एवं तकनीकी अनुभव अर्जित किया है। इससे पूर्व वे Integral Coach Factory Chennai में मुख्य सामग्री प्रबंधक (सामान्य) के पद पर कार्यरत थे।

पदभार ग्रहण करने के उपरांत श्री गुप्ता ने कहा कि वे आगरा मंडल में यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार, कार्यकुशलता में वृद्धि तथा रेल सेवाओं के निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

श्री संजय कुमार गौतम को जनसंपर्क अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार

सूत्र/रे.स.ब्यू- आगरा मंडल में जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यरत कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव के पूर्वोत्तर रेलवे (NER) जोन में स्थानांतरण के उपरांत, सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) श्री संजय कुमार गौतम को जनसंपर्क अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री संजय कुमार गौतम वर्तमान में आगरा मंडल में सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) के पद पर कार्यरत हैं और उन्हें अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ जनसंपर्क अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। श्री संजय कुमार गौतम अपने अनुभव एवं दक्षता के बल पर जनसंपर्क से जुड़े दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

महाप्रबंधक, पूर्व मध्य रेल द्वारा बरवाडीह स्टेशन का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 06.04.2026 को पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा बरवाडीह स्टेशन एवं इसके आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलवे ट्रैक, स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं तथा परिचालन व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक द्वारा बरवाडीह आरओएच डिपो का भी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर मॉडिफाइड ब्रेक वैन का शुरुआत उनकी उपस्थिति में वरीय ट्रेन मैनेजर द्वारा किया गया। इस ब्रेक वैन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है। इसमें कार्यरत कर्मचारियों की सुविधा हेतु सोलर पैनल एवं बैटरी, आरामदायक कुशन युक्त सीटें, नवीन इंटीरियर, शौचालय की सुविधा तथा लुकिंग ग्लास सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा चुनार, झिंगुरा, बिरोही, गैपुरा एवं इरादतगंज स्टेशनों का निरीक्षण

सूत्र/उमरे- महा- प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने दिनांक 08 अप्रैल 2026 को अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे चुनार रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री राजकुमार वानखेडे, मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट, श्री एस. के. मिश्राय मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवालय सचिव महाप्रबंधक, श्री अखिल शुक्लाय वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक/समन्वय, श्री अकांशु गोविलय वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/समन्वय, श्री हरिमोहन सहित मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने चुनार स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन पर बनाए जा रहे फुट ओवर ब्रिज के कार्यों की समीक्षा के साथ यात्री सुविधाओं के उन्नयन, स्टेशन भवन के आधुनिकीकरण, प्लेटफॉर्म की संरचना, साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा दिव्यांगजन सुविधाओं का विशेष रूप से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर यात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करना रेलवे की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।

निरीक्षण कार्यक्रम के क्रम में महाप्रबंधक महोदय ने झिंगुरा स्टेशन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने झिंगुरा में बन रहे नए गुड्स शेड के कार्य प्रगति का जायजा लिया एवं प्रयागराज पंडित दीन दयाल उपाध्याय खंड के मध्य चल रहे तीसरी लाइन के कार्य के अंतर्गत झिंगुरा स्टेशन पर बन रही नई स्टेशन बिल्डिंग का भी निरीक्षण किया।

इसी क्रम में महाप्रबंधक महोदय ने बिरोही स्टेशन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिरोही स्टेशन की नई स्टेशन बिल्डिंग का अवलोकन किया तथा पैनल रूम, रिले रूम आदि का भी गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के अगले क्रम में महाप्रबंधक महोदय ने गैपुरा स्टेशन का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का गहन निरीक्षण किया। भविष्य की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए महाप्रबंधक महोदय द्वारा इरादतगंज स्टेशन का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के संभावित विस्तार से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि छोटे स्टेशनों पर भी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उत्तर रेलवे महाप्रबंधक ने लखनऊ-सुलतानपुर-वाराणसी रेल खंड का किया विस्तृत निरीक्षण, यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री राजेश कुमार पांडे, महाप्रबंधक/उत्तर रेलवेने लखनऊ सुलतानपुर वाराणसी-काशी रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए पूरे मार्ग पर स्थित अमृत स्टेशनों का गहन अवलोकन किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशनों की व्यवस्थाओं, संरचनात्मक विकास और यात्री सुविधाओं की स्थिति का सूक्ष्मता से मूल्यांकन किया। अपने दौरे के क्रम में वाराणसी रेलवे स्टेशन पहुंचकर उन्होंने न्यू फुट ओवर ब्रिज के प्रथम तल के समीप स्थित एसी वेटिंग हॉल का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति देखी। इसके अतिरिक्त उन्होंने बुकिंग कार्यालय, रेल कोच रेस्टोरेंट तथा सर्कुलेटिंग एरिया का भी विस्तृत भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, साफ-सफाई, व्यवस्थाओं की कार्यक्षमता तथा समग्र संचालन व्यवस्था का जायजा लिया।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर द्वारा गोरखपुर-मऊ रेलखण्ड का विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण तथा देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर, बेल्थरा रोड एवं मऊ स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू- पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी श्री आशीष जैन तथा मुख्यालय एव मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गोरखपुर-मऊ रेलखण्ड के विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के अन्तर्गत देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर, बेल्थरा रोड एवं मऊ स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के आरम्भ में महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने गौरी बाजार-बैतालपुर खण्ड पर समपार संख्या 136 बी-1 पर लिमिटेड हाईट सब-वे के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और सभी कार्य समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने का सम्बन्धित को निर्देश दिया। तदुपरांत महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने गोरखपुर-देवरिया रेलखण्ड का विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए देवरिया सदर स्टेशन पहुंचे और देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। देवरिया सदर स्टेशन के निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतिक्षालय, यात्री आरक्षण केंद्र एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया और कार्य योजना के ब्लू प्रिंट के माध्यम से स्टेशन के पुनर्विकास का अवलोकन किया तथा कार्य की समीक्षा की। उन्होंने देवरिया सदर स्टेशन के पुनर्विकास से सम्बंधित सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अन्दर पूर्ण करने का सम्बंधित को निर्देश दिया। महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने अहिल्यापुर हॉल्ट स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अहिल्यापुर हॉल्ट स्टेशन पर प्रस्तावित गुड्स शेड का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने भटनी जं पर सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतिक्षालय, टिकट काउंटरों एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया साथ ही यहाँ चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का अवलोकन किया और कार्य की गुणवत्ता परखी। उन्होंने भटनी स्टेशन के सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अन्दर पूर्ण करने का सम्बंधित को निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने सलेमपुर यार्ड में स्थित समपार सं-07 स्पेशल का संरक्षा निरीक्षण किया और संरक्षा के सभी मानदंडो की जाँच की। इसके बाद उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतिक्षालय, टिकट काउंटरों, वाटर बूथ एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया साथ ही अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के अन्तर्गत सलेमपुर स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की ।

महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने बेल्थरा रोड स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतिक्षालय, टिकट काउंटरों समेत यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के अन्तर्गत बेल्थरा रोड स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने बेल्थरा रोड स्टेशन के पुनर्विकास से सम्बंधित सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अन्दर पूर्ण करने का सम्बंधित को निर्देश दिया। उन्होंने बेल्थरा रोड स्टेशन यार्ड में किमी 33/21 पर स्थित प्वाइंट्स का सेफ्टी निरीक्षण किया और संरक्षा सुनिश्चित की।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजीकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर)
कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

Scanned with OKEN Scanner

Steaming Into a Cleaner Era: Eastern Railway Reimagines 173 Years of Rail Heritage with a Zone-Wide Cleanliness Revolution

Source/ER- While the echoes of the first steam engine that rolled from Bori Bunder to Thane in 1853 still resonate through history, Eastern Railway (ER) chose to celebrate the 173rd "birthday" of Indian Railways by rolling up its sleeves for the future. Moving beyond traditional ceremonies, the zone transformed this historic milestone into a high-energy mission for hygiene, marking the peak of its month-long Swachhata Awareness Campaign. On 16th April activities specifically targeted coach and track cleanliness, proving that the best way to honor a legendary past is by building a pristine, sustainable future for every traveler. "As we celebrate the day the first wheels turned on Indian soil, we honor our heritage by committing to a cleaner, better travel experience," stated Shri Milind Deouskar, Hon'ble General Manager of Eastern Railway. "This is not just a celebration of the past but a promise to our passengers for a hygienic and sustainable future."

Under the leadership of Shri Milind Deouskar, the program reached every corner of the Eastern Railway network with full participation from all Principal Heads of Departments, HODs, Divisional Railway Managers, Divisional Officers, and every single employee. The General Manager personally visited Howrah Station to interact directly with passengers onboard trains to promote deep-rooted awareness regarding cleanliness. During these interactions, he personally took feedback from travelers and educated them on the importance of not littering the railway tracks or throwing trash inside the train coaches. He advised passengers to always use the provided dustbins or simply wait for the on-Board Housekeeping Staff (OBHS), who are dedicated to collecting trash directly from seats. Furthermore, he explained that passengers should always use the flush after using the toilet to ensure it remains usable for the next person, and issued a stern reminder never to throw trash in the bio-toilets, emphasizing that the washroom's specific dustbin should be used instead to prevent system failures.

This spirit of direct engagement was mirrored across the entire zone as AGM, PHODs, HODs, DRMs, ADRMs and branch officers traveled throughout the network to interact with the public. Senior officials visited Sealdah, Howrah, Malda, and Asansol, ensuring the message of civic responsibility reached thousands of commuters. The effort was bolstered by the energetic participation of the Eastern Railway Bharat Scouts and Guides (ERBS&G), who, alongside Civil Defence volunteers, the RPF, and staff from the other Departments, worked tirelessly at stations and coaches to ensure the campaign's success.

Reflecting on the achievement, Shri Shibram Majhi, Chief Public Relations Officer of Eastern Railway and State Secretary of ERBS&G, emphasized that maintaining a spotless railway is not a one-day program but an everyday necessity. He stated that while the railway administration is fully committed to hygiene, true success is impossible without the active support of the traveling public. He issued a heartfelt request to all passengers to maintain cleanliness as a personal responsibility, noting that when citizens and the railway work together, the network becomes more than just a transport system—it becomes a shared home.

CONCOR Enhances Digital Infrastructure with Launch of Advanced MAXIMO System and Online TDS Refund Portal

Source/CONCOR- Shri Sanjay Swarup, Chairman and Managing Director of CONCOR, has launched an advanced version of CONCOR MAXIMO—an upgraded asset management system designed to enhance efficiency, transparency, and real-time analytics, thereby enabling more informed decision-making. In addition, Shri Sanjay Swarup also inaugurated the Online TDS Refund Portal on 09 April 2026, further advancing CONCOR's digital transformation efforts. The portal is designed to improve customer convenience by streamlining processes, reducing turnaround time, and ensuring greater transparency in transactions.

These developments highlight CONCOR's continued commitment to a customer-centric approach and its focus on delivering seamless, efficient, and technology-driven services.

RVNL Wins Rs. 967.92 Crore Bridge Construction Contract from East Coast Railway in Odisha

Source/RSB- Rail Vikas Nigam Limited has secured a major infrastructure contract worth Rs. 967.92 crore from East Coast Railway for the development of key bridge works in Odisha. The company has been declared the lowest bidder (L1) for the project, which focuses on strengthening rail infrastructure along the Bhadrak–Vizianagaram section.

The awarded work primarily involves the construction of significant bridges aimed at enhancing the capacity and reliability of rail operations in the region. The project is scheduled for completion within a period of three years.This contract is expected to improve connectivity and support smoother train movement across the corridor, which is an important route under the East Coast Railway network. The win also highlights RVNL's continued role in executing large-scale and technically demanding railway infrastructure projects across the country.

Scanned with OKEN Scanner

DMRC Partners with BEML to Strengthen Metro Rail Projects in India and Overseas

Source/DMRC- Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) and BEML Limited have signed a Memorandum of Understanding (MoU) to jointly collaborate on Metro rail projects in India and Abroad. The partnership focuses on identifying, bidding for, and executing projects by combining BEML's rolling stock manufacturing strength with DMRC's expertise in metro system execution and operations. The MoU was signed by Dr. P.K. Garg, Director (Business Development), DMRC and Mr. Rajeev Kumar Gupta, Director (Rail & Metro), BEML Ltd. on 8th April, 2026 at Metro Bhawan, New Delhi in the presence of Dr. Vikas Kumar, Managing Director, DMRC and Shri Shantanu Roy, Chairman & Managing Director of BEML and other senior officers of DMRC and BEML.

On the occasion, Dr. Vikas Kumar, Managing Director/DMRC described the agreement as a historic collaboration between two leading Indian entities, emphasizing its potential to significantly enhance urban mobility systems in India and abroad. He also highlighted the importance of developing indigenous propulsion systems and Tunnel Boring Machines (TBMs) under the Atmanirbhar Bharat initiative. Shri Shantanu Roy CMD/BEML stated that the association with DMRC would further strengthen BEML's presence in the rail and metro sector as DMRC has been World class in its services.

He also informed about BEML's coach supply to DMRC since inception with best service outputs. BEML's capabilities in manufacturing rolling stock, combined with DMRC's expertise in the execution and operation of metro systems, would enable the two organisations to offer comprehensive, competitive, and globally benchmarked solutions. With this partnership, both organizations aim to align their technical and commercial strengths to deliver robust solutions, while contributing to India's expanding global presence in metro rail infrastructure.

GM Conducts Inspection of Khurda Road – Puri Section; Reviews Puri Station Development Works

Source/RSB- Shri Parmeshwar Funkwal, General Manager, East Coast Railway, conducted Khurda Road–Puri section inspection followed by a detailed review of station development works at Puri, in view of the forthcoming Rath Yatra.

The inspection focused on assessing track conditions, signalling systems, and overall operational efficiency along this important section, which witnesses a substantial increase in passenger traffic during major pilgrimage occasions.

At Puri station, the General Manager undertook a comprehensive review of ongoing redevelopment and passenger amenity enhancement works, with a strong emphasis on pilgrimage centric infrastructure. Considering the massive influx of devotees during Rath Yatra, efforts are being prioritised to ensure smooth passenger handling and improved facilities.

During the inspection, emphasis was laid on augmentation and upgradation of passenger amenities to cater to the heavy pilgrim rush, including development of platforms, circulating areas, waiting halls, and overall improvement in passenger centric infrastructure to enhance convenience and ease of movement.

The General Manager laid special emphasis on the timely completion of all redevelopment works at Puri station ahead of Rath Yatra, directing officials to closely monitor progress and ensure readiness well in advance of the festival. He stressed that all works must be executed with a passenger-centric approach to facilitate safe, smooth, and comfortable movement of pilgrims.

He also underscored the importance of maintaining high standards of safety, sanitation, and inter departmental coordination to ensure efficient train operations during the peak pilgrimage period. Senior officials, including Principal Heads of Departments and the Divisional Railway Manager of Khurda Road, accompanied the General Manager during the inspection.

प्रयागराज-हडपसर साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित गाड़ी संख्या **04107/04108 प्रयागराज-हडपसर** साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

गाड़ी संख्या 04107/04108 प्रयागराज-हडपसर (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04107 प्रयागराज-हडपसर		स्टेशन	गाड़ी सं. 04108 हडपसर-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
—	10:20	प्रयागराज ▲	06:30	—
11:18	11:20	शंकरगढ़	04:13	04:15
11:45	11:47	डभौरा	03:33	03:35
12:40	12:45	मानिकपुर	03:10	03:15
13:25	13:27	चित्रकूट धाम कर्वी	01:55	01:57
15:15	15:20	बाँदा	00:35	00:40
16:18	16:20	महोबा	23:18	23:20
17:30	18:00	खजुराहो	21:20	21:50
18:14	18:16	दुरिया गंज	20:50	20:52
18:32	18:34	छतरपुर	20:30	20:32
19:33	19:35	टीकमगढ़	19:10	19:12
21:03	21:05	ललितपुर	18:18	18:20
23:35	23:40	बीना	16:45	16:50
02:00	02:05	रानी कमलापति	14:15	14:20
03:35	03:45	इटारसी	12:20	12:30
08:10	08:15	भुसावल	07:35	07:40
10:45	10:50	मनमाड	04:20	04:25
11:54	11:56	कोपरगांव	03:06	03:08
12:42	12:44	बेलापुर	02:06	02:08
14:00	14:02	अहिल्यानगर	01:00	01:02
16:05	16:10	दौंड कॉर्ड लाइन	23:45	23:50
19:30	---	हडपसर ▼	----	22:40

- **गाड़ी सं. 04107:** प्रयागराज से (प्रत्येक बुधवार) दिनांक 15.04.2026 से 15.07.2026 तक
- **गाड़ी सं. 04108: हडपसर** से (प्रत्येक गुरूवार) दिनांक 16.04.2026 से 16.07.2026 तक

गाड़ी संरचनाः- सामान्य श्रेणी-07, स्लीपर श्रेणी-08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 506/26(D)

Scanned with OKEN Scanner